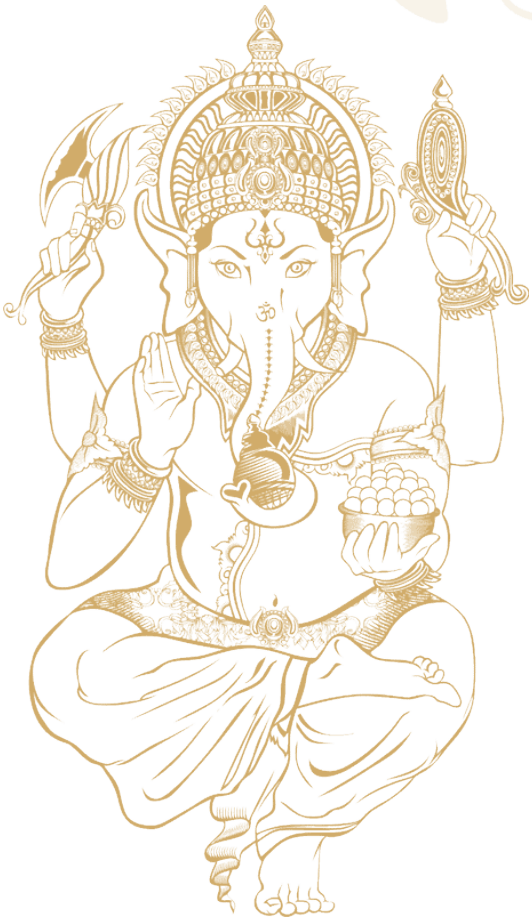

Rajmata Pratibha Singh

16 Jun 1956

04:20 PM

Junga

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121096401

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/06/1956	जन्म तिथि	**17/06/2026**
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	19:02:00 घंटे
घटी 27:36:18	जन्म समय(घटी)	34:20:56 घटी
India	देश	India
Junga	स्थान	Junga
उत्तर 31:01:00	अक्षांश	31:01:00 उत्तर
पूर्व 77:11:00	रेखांश	77:11:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:16	स्थानिक संस्कार	-00:21:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:17:28	सूर्योदय	05:17:37
19:26:24	सूर्यास्त	19:26:41
23:15:12	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:44
तुला	लग्न	वृश्चिक
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
हस्त	नक्षत्र	पुष्य
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	1
व्यतिपात	योग	ध्रुव
बालव	करण	गर
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	हू-हुस्नी
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मेष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष
70	गत/तत्कालिक वर्ष	71

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
विशाखा	1	23:09:18	तुला		
मृगशिरा	3	01:59:36	मिथु		
हस्त	2	13:54:30	कन्या		
शतभिषा	3	13:45:10	कुंभ		
रोहिणी	1	10:03:52	वृष		
मघा	1	03:10:41	सिंह		
आर्द्रा	2	11:02:42	मिथु	व	
अनुराधा	1	04:23:01	वृश्चि	व	
अनुराधा	4	14:48:36	वृश्चि		
रोहिणी	2	14:48:36	वृष		
पुष्य	2	07:04:27	कर्क		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			वृश्चि	27:34:45	4	ज्येष्ठा
सूर्य			मिथु	02:09:21	3	मृगशिरा
चंद्र			कर्क	06:39:42	1	पुष्य
मंगल			मेष	27:40:48	1	कृतिका
बुध			मिथु	26:34:36	2	पुनर्वसु
गुरु			कर्क	03:06:38	4	पुनर्वसु
शुक्र			कर्क	10:33:11	3	पुष्य
शनि			मीन	19:14:36	1	रेवती
राहु	व		कुंभ	07:44:43	1	शतभिषा
केतु	व		सिंह	07:44:43	3	मघा
मु			सिंह	23:09:18	3	पू०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:44

लग्न-चलित

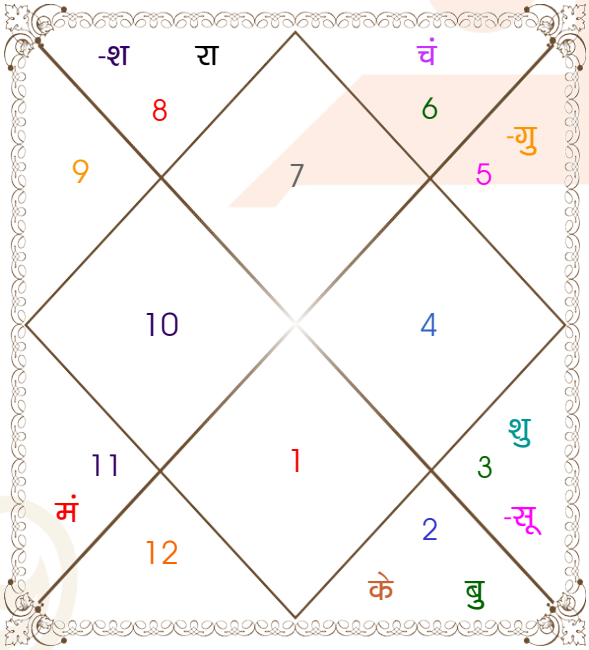

वर्ष लग्न कुंडली

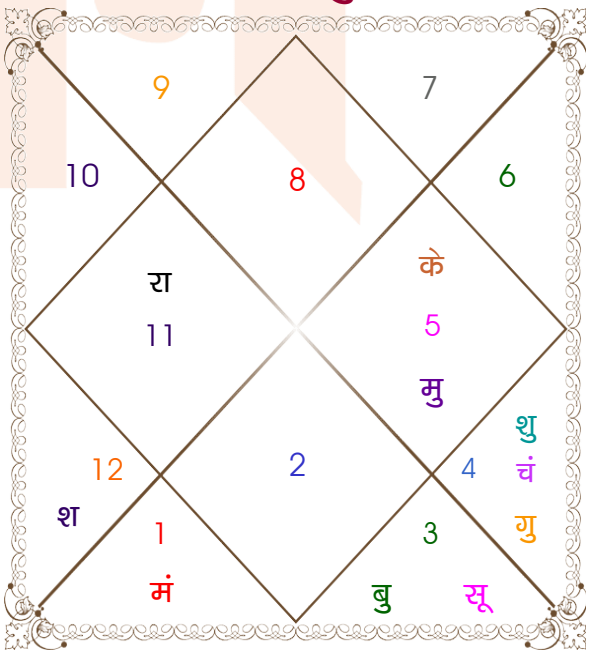

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

चन्द्र कुंडली

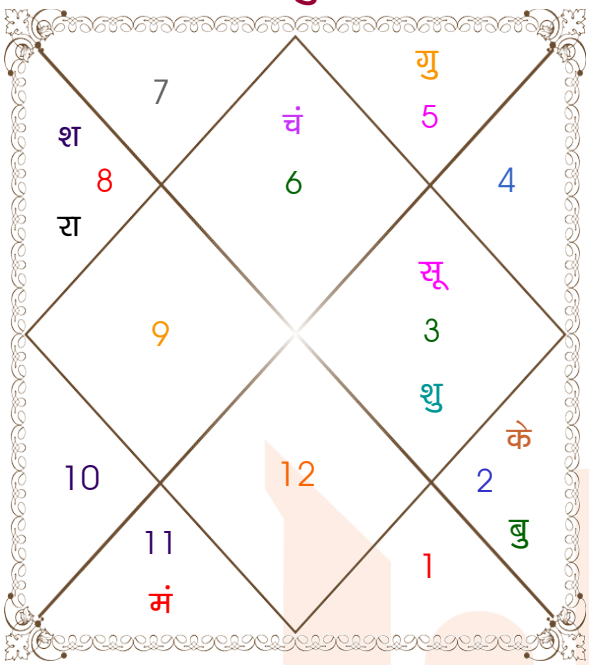

वर्ष चन्द्र कुंडली

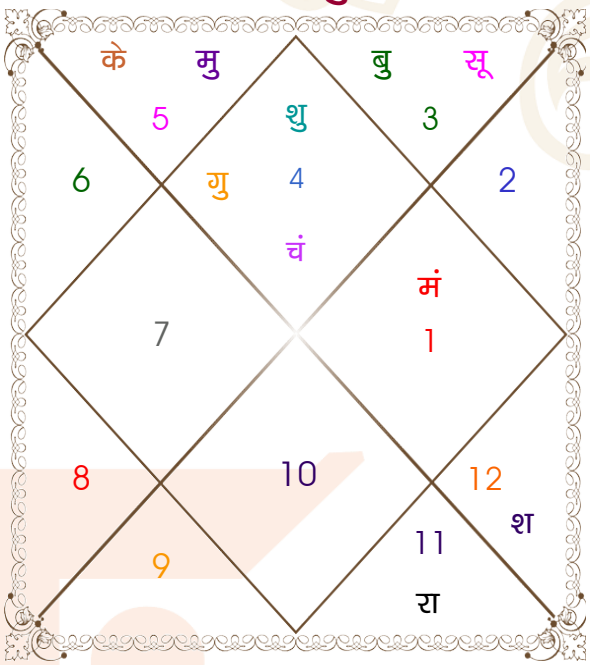

नवमांश कुंडली

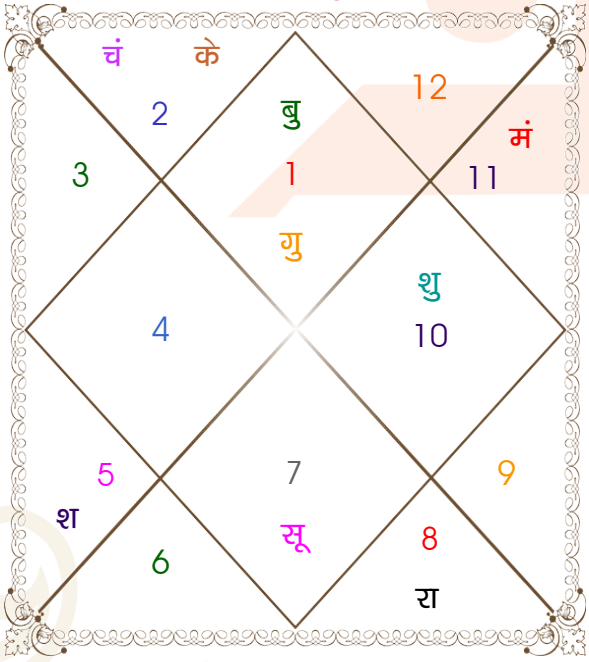

वर्ष नवमांश कुंडली

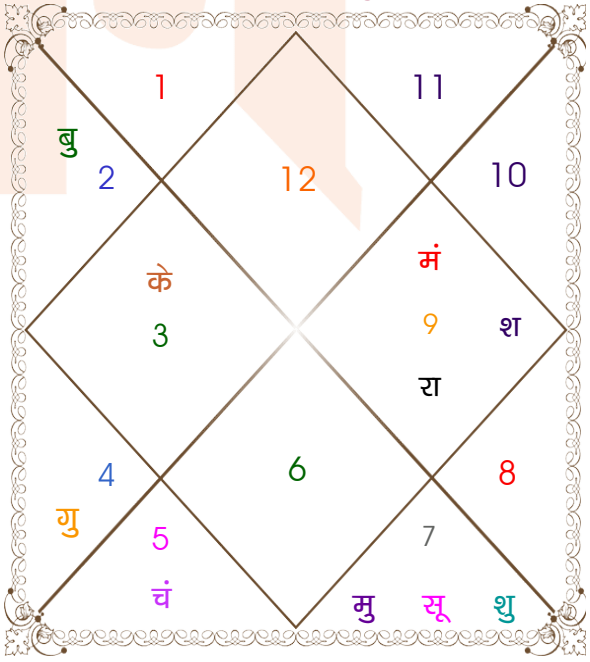

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	मित्र	शत्रु	सम	सम	शत्रु
चन्द्र	सम	---	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	शत्रु	सम	मित्र	---	सम	सम	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	---	मित्र
शनि	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृश्चि	मिथु	कर्क	मेष	मिथु	कर्क	कर्क	मीन
होरा	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह
द्रेष्काण	वृष	धनु	वृष	तुला	सिंह	वृष	कन्या	मीन
चतुर्थांश	सिंह	मिथु	कर्क	मक	मीन	कर्क	तुला	कन्या
पंचमांश	वृश्चि	मेष	कन्या	तुला	तुला	वृष	कन्या	मक
षष्ठांश	मीन	मेष	वृश्चि	कन्या	कन्या	तुला	धनु	मक
सप्तमांश	वृश्चि	मिथु	कुंभ	तुला	धनु	मक	मीन	मक
अष्टमांश	मीन	वृष	वृष	वृश्चि	धनु	मेष	मिथु	तुला
नवमांश	मीन	तुला	सिंह	धनु	वृष	कर्क	तुला	धनु
दशमांश	मेष	मिथु	वृष	मक	कुंभ	मेष	मिथु	वृष
एकादशांश	सिंह	वृष	सिंह	मक	कुंभ	कर्क	कन्या	कन्या
द्वादशांश	तुला	मिथु	कन्या	मीन	मेष	सिंह	वृश्चि	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	स्व	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र
होरा	स्व	स्व	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
चतुर्थांश	शत्रु	स्व	सम	सम	शत्रु	स्व	शत्रु
पंचमांश	मित्र	सम	शत्रु	सम	शत्रु	सम	स्व
षष्ठांश	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व
सप्तमांश	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	स्व
अष्टमांश	सम	शत्रु	स्व	सम	शत्रु	सम	मित्र
नवमांश	सम	सम	शत्रु	सम	शत्रु	स्व	मित्र
दशमांश	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र
एकादशांश	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु	सम	शत्रु
द्वादशांश	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	मित्र
शुभ	3	4	3	3	1	2	9
सम	4	4	3	6	1	5	0
अशुभ	5	4	6	3	10	5	3
कुल	अशुभ	सम	अशुभ	सम	अशुभ	अशुभ	शुभ

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	5	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	5	5	5	5	0	0
तृतीय बल	0	5	5	5	0	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	5	10	20	10	10	5	0
बल	क्षीण	सामान्य	अतिबली	सामान्य	सामान्य	क्षीण	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	30.00	30.00	30.00	7.50	7.50	22.50
उच्च बल	14.20	12.93	10.04	11.29	19.79	8.49	3.42
हददा बल	3.75	3.75	7.50	3.75	3.75	15.00	7.50
द्रेष्काण	5.00	2.50	2.50	2.50	2.50	5.00	7.50
नवमांश	2.50	2.50	1.25	2.50	1.25	5.00	3.75
कुल	32.95	51.68	51.29	50.04	34.79	40.99	44.67
विंशोपक	8.24	12.92	12.82	12.51	8.70	10.25	11.17
बल	सामान्य	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	10.25	अतिशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	12.82	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	सूर्य	8.24	दृष्टि नहीं	शुक्र
दिवापति	बुध	12.51	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	मंगल	12.82	दृष्टि नहीं	

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

पात्यंश दशा

सूर्य		गुरु		चंद्र		शुक्र		शनि	
17/06/2026		16/07/2026		28/07/2026		13/09/2026		04/11/2026	
16/07/2026		28/07/2026		13/09/2026		04/11/2026		26/02/2027	
सूर्य	20/06/2026	गुरु	16/07/2026	चंद्र	03/08/2026	शुक्र	20/09/2026	शनि	10/12/2026
गुरु	20/06/2026	चंद्र	18/07/2026	शुक्र	10/08/2026	शनि	07/10/2026	बुध	09/01/2027
चंद्र	24/06/2026	शुक्र	20/07/2026	शनि	25/08/2026	बुध	20/10/2026	लग्न	13/01/2027
शुक्र	28/06/2026	शनि	24/07/2026	बुध	06/09/2026	लग्न	22/10/2026	मंगल	13/01/2027
शनि	07/07/2026	बुध	27/07/2026	लग्न	08/09/2026	मंगल	22/10/2026	सूर्य	22/01/2027
बुध	15/07/2026	लग्न	27/07/2026	मंगल	08/09/2026	सूर्य	26/10/2026	गुरु	26/01/2027
लग्न	16/07/2026	मंगल	27/07/2026	सूर्य	12/09/2026	गुरु	28/10/2026	चंद्र	10/02/2027
मंगल	16/07/2026	सूर्य	28/07/2026	गुरु	13/09/2026	चंद्र	04/11/2026	शुक्र	26/02/2027

बुध		लग्न		मंगल		मंगल		मंगल	
26/02/2027		03/06/2027		16/06/2027		16/06/2027		16/06/2027	
03/06/2027		16/06/2027		18/06/2027		18/06/2027		18/06/2027	
बुध	24/03/2027	लग्न	03/06/2027	मंगल	16/06/2027	मंगल	16/06/2027	मंगल	16/06/2027
लग्न	27/03/2027	मंगल	04/06/2027	सूर्य	16/06/2027	सूर्य	16/06/2027	सूर्य	16/06/2027
मंगल	28/03/2027	सूर्य	05/06/2027	गुरु	16/06/2027	गुरु	16/06/2027	गुरु	16/06/2027
सूर्य	04/04/2027	गुरु	05/06/2027	चंद्र	17/06/2027	चंद्र	17/06/2027	चंद्र	17/06/2027
गुरु	08/04/2027	चंद्र	07/06/2027	शुक्र	17/06/2027	शुक्र	17/06/2027	शुक्र	17/06/2027
चंद्र	20/04/2027	शुक्र	09/06/2027	शनि	17/06/2027	शनि	17/06/2027	शनि	17/06/2027
शुक्र	04/05/2027	शनि	13/06/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027	बुध	17/06/2027
शनि	03/06/2027	बुध	16/06/2027	लग्न	18/06/2027	लग्न	18/06/2027	लग्न	18/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		राहु	
17/06/2026		17/08/2026		04/09/2026		05/10/2026		26/10/2026	
17/08/2026		04/09/2026		05/10/2026		26/10/2026		20/12/2026	
शुक्र	27/06/2026	सूर्य	18/08/2026	चंद्र	07/09/2026	मंगल	06/10/2026	राहु	03/11/2026
सूर्य	30/06/2026	चंद्र	20/08/2026	मंगल	09/09/2026	राहु	09/10/2026	गुरु	11/11/2026
चंद्र	06/07/2026	मंगल	21/08/2026	राहु	13/09/2026	गुरु	12/10/2026	शनि	19/11/2026
मंगल	09/07/2026	राहु	23/08/2026	गुरु	17/09/2026	शनि	16/10/2026	बुध	27/11/2026
राहु	18/07/2026	गुरु	26/08/2026	शनि	22/09/2026	बुध	19/10/2026	केतु	30/11/2026
गुरु	26/07/2026	शनि	29/08/2026	बुध	26/09/2026	केतु	20/10/2026	शुक्र	09/12/2026
शनि	05/08/2026	बुध	31/08/2026	केतु	28/09/2026	शुक्र	23/10/2026	सूर्य	12/12/2026
बुध	14/08/2026	केतु	01/09/2026	शुक्र	03/10/2026	सूर्य	24/10/2026	चंद्र	17/12/2026
केतु	17/08/2026	शुक्र	04/09/2026	सूर्य	05/10/2026	चंद्र	26/10/2026	मंगल	20/12/2026

गुरु		शनि		बुध		केतु		केतु	
20/12/2026		07/02/2027		05/04/2027		27/05/2027		27/05/2027	
07/02/2027		05/04/2027		27/05/2027		18/06/2027		18/06/2027	
गुरु	26/12/2026	शनि	16/02/2027	बुध	13/04/2027	केतु	28/05/2027	केतु	28/05/2027
शनि	03/01/2027	बुध	24/02/2027	केतु	16/04/2027	शुक्र	01/06/2027	शुक्र	01/06/2027
बुध	10/01/2027	केतु	27/02/2027	शुक्र	24/04/2027	सूर्य	02/06/2027	सूर्य	02/06/2027
केतु	13/01/2027	शुक्र	09/03/2027	सूर्य	27/04/2027	चंद्र	04/06/2027	चंद्र	04/06/2027
शुक्र	21/01/2027	सूर्य	12/03/2027	चंद्र	01/05/2027	मंगल	05/06/2027	मंगल	05/06/2027
सूर्य	23/01/2027	चंद्र	17/03/2027	मंगल	04/05/2027	राहु	08/06/2027	राहु	08/06/2027
चंद्र	28/01/2027	मंगल	20/03/2027	राहु	12/05/2027	गुरु	11/06/2027	गुरु	11/06/2027
मंगल	30/01/2027	राहु	29/03/2027	गुरु	19/05/2027	शनि	15/06/2027	शनि	15/06/2027
राहु	07/02/2027	गुरु	05/04/2027	शनि	27/05/2027	बुध	18/06/2027	बुध	18/06/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - केतु - शुक्र	
29/12/2025 07:26	
27/02/2026 16:15	
शुक्र	08/01/2026 08:54
सूर्य	11/01/2026 09:20
चंद्र	16/01/2026 10:04
मंगल	19/01/2026 22:35
राहु	28/01/2026 23:55
गुरु	06/02/2026 01:05
शनि	15/02/2026 14:29
बुध	24/02/2026 03:44
केतु	27/02/2026 16:15

बुध - केतु - सूर्य	
27/02/2026 16:15	
17/03/2026 18:54	
सूर्य	28/02/2026 13:59
चंद्र	02/03/2026 02:12
मंगल	03/03/2026 03:34
राहु	05/03/2026 20:45
गुरु	08/03/2026 06:43
शनि	11/03/2026 03:32
बुध	13/03/2026 17:06
केतु	14/03/2026 18:27
शुक्र	17/03/2026 18:54

बुध - केतु - चंद्र	
17/03/2026 18:54	
16/04/2026 23:19	
चंद्र	20/03/2026 07:16
मंगल	22/03/2026 01:31
राहु	26/03/2026 14:11
गुरु	30/03/2026 14:46
शनि	04/04/2026 09:28
बुध	08/04/2026 16:06
केतु	10/04/2026 10:21
शुक्र	15/04/2026 11:05
सूर्य	16/04/2026 23:19

बुध - केतु - मंगल	
16/04/2026 23:19	
08/05/2026 02:24	
मंगल	18/04/2026 04:53
राहु	21/04/2026 08:57
गुरु	24/04/2026 04:34
शनि	27/04/2026 12:51
बुध	30/04/2026 12:42
केतु	01/05/2026 18:16
शुक्र	05/05/2026 06:47
सूर्य	06/05/2026 08:09
चंद्र	08/05/2026 02:24

बुध - केतु - राहु	
08/05/2026 02:24	
01/07/2026 10:21	
राहु	16/05/2026 05:59
गुरु	23/05/2026 11:51
शनि	01/06/2026 02:18
बुध	08/06/2026 19:02
केतु	11/06/2026 23:06
शुक्र	21/06/2026 00:25
सूर्य	23/06/2026 17:37
चंद्र	28/06/2026 06:17
मंगल	01/07/2026 10:21

बुध - केतु - गुरु	
01/07/2026 10:21	
18/08/2026 17:24	
गुरु	07/07/2026 20:53
शनि	15/07/2026 12:24
बुध	22/07/2026 08:36
केतु	25/07/2026 04:13
शुक्र	02/08/2026 05:23
सूर्य	04/08/2026 15:21
चंद्र	08/08/2026 15:56
मंगल	11/08/2026 11:33
राहु	18/08/2026 17:24

बुध - केतु - शनि	
18/08/2026 17:24	
15/10/2026 01:47	
शनि	27/08/2026 19:20
बुध	04/09/2026 22:19
केतु	08/09/2026 06:36
शुक्र	17/09/2026 20:00
सूर्य	20/09/2026 16:49
चंद्र	25/09/2026 11:31
मंगल	28/09/2026 19:49
राहु	07/10/2026 10:16
गुरु	15/10/2026 01:47

बुध - केतु - बुध	
15/10/2026 01:47	
05/12/2026 09:17	
बुध	22/10/2026 08:15
केतु	25/10/2026 08:05
शुक्र	02/11/2026 21:20
सूर्य	05/11/2026 10:55
चंद्र	09/11/2026 17:32
मंगल	12/11/2026 17:22
राहु	20/11/2026 10:06
गुरु	27/11/2026 06:18
शनि	05/12/2026 09:17

बुध - शुक्र - शुक्र	
05/12/2026 09:17	
26/05/2027 20:47	
शुक्र	03/01/2027 03:12
सूर्य	11/01/2027 18:11
चंद्र	26/01/2027 03:08
मंगल	05/02/2027 04:37
राहु	03/03/2027 01:32
गुरु	26/03/2027 01:28
शनि	22/04/2027 08:53
बुध	16/05/2027 19:19
केतु	26/05/2027 20:47

बुध - शुक्र - सूर्य	
26/05/2027 20:47	
17/07/2027 14:38	
सूर्य	29/05/2027 10:53
चंद्र	02/06/2027 18:22
मंगल	05/06/2027 18:49
राहु	13/06/2027 13:05
गुरु	20/06/2027 10:40
शनि	28/06/2027 15:18
बुध	05/07/2027 23:13
केतु	08/07/2027 23:40
शुक्र	17/07/2027 14:38

बुध - शुक्र - चंद्र	
17/07/2027 14:38	
11/10/2027 20:23	
चंद्र	24/07/2027 19:07
मंगल	29/07/2027 19:51
राहु	11/08/2027 18:19
गुरु	23/08/2027 06:17
शनि	05/09/2027 22:00
बुध	18/09/2027 03:12
केतु	23/09/2027 03:57
शुक्र	07/10/2027 12:54
सूर्य	11/10/2027 20:23

बुध - शुक्र - मंगल	
11/10/2027 20:23	
11/12/2027 05:13	
मंगल	15/10/2027 08:54
राहु	24/10/2027 10:14
गुरु	01/11/2027 11:24
शनि	11/11/2027 00:48
बुध	19/11/2027 14:03
केतु	23/11/2027 02:34
शुक्र	03/12/2027 04:02
सूर्य	06/12/2027 04:29
चंद्र	11/12/2027 05:13

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

BLOCK-31 FLAT NO-5 SECTOR-5 PHASE-3 NEW SHIMLA,SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171009 INDIA
+91-7018016324
sharmabkhp@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्यशाली रहेगा। इस समय आपका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य उतम रहेगा एवं अपने समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगी तथा इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी । अपने बन्धु एवं मित्रों के प्रति इस समय आपके मन में पूर्ण सद्भावना तथा स्नेह का भाव रहेगा तथा यत्नपूर्वक आप उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी तथा वे भी आपको अपना पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करेंगे।इस समय सत्कार्यो को करने के लिए आपकी रूचि रहेगी तथा इन्हें करने के लिए आप यत्नशील रहेंगी। धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा समयानुकूल देवताओं एवं ब्राहमणों की आप सेवा करेंगी। इस वर्ष आपको किसी नवीन स्थान की प्राप्ति होगी या आवास संबधी परिवर्तन होगा। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में वृद्धि करके प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में भी आप इस वर्ष वांछित उन्नति करेंगी। नौकरी या राजनीति में आपको इस समय किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में भी आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा इस वर्ष में किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपकी आशाएं तथा संकल्प पूर्ण होंगे तथा सर्वत्र प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि होंगी तथा अपने क्षेत्र में वे इच्छित सफलता प्राप्त करेंगे। अतः आपके लिए यह वर्ष शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
17/06/2026 19:02:00 से 18/07/2026 05:33:03 तक

इस मास आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सम्मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूपेण सन्तुष्ट एवं प्रसन्न रहेगा। मित्र एवं बन्धुजनों की आप पूर्ण सहायता करेंगी एवं यत्न पूर्वक उनकी भलाई करने के लिए तत्पर रहेंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा इनका सम्मान एवं पूजन विधिपूर्वक सम्पन्न करेंगी। सामाजिक जनों से भी आप प्रतिष्ठा एवं अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आप विविध आय स्त्रोतों से धनार्जन करेंगी तथा नवीन स्थान या आवास की भी प्राप्ति कर सकेंगी। साथ ही पिछले महीने की असफल आशाएं भी आपकी पूर्ण होगी। अतः यह मास आपका सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

लेकिन शुभ फलों के साथ साथ इस मास में यदाकदा अशुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

द्वितीय मास
18/07/2026 05:33:03 से 17/08/2026 16:04:06 तक

यह मास आपके लिए सुख एवं शान्ति प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप अपने पूर्ण उत्साह से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में भी आपके यश में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी एवं उनसे आपके मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग का आपको संरक्षण प्राप्त होगा जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य सिद्ध होंगे। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग भी प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान्न का उपभोग अधिक मात्रा में करेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक शक्ति में वृद्धि होगी। इस समय आप शत्रुओं को पराजित करने में भी सफल रहेंगी। अतः उनसे आप निश्चिन्त रहेंगी। पति से भी आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख अर्जित करेंगी। साथ ही व्यापार आदि कार्यों से भी आप धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आपका सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप पुरूष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा के भाव का प्रदर्शन करेंगी एवं समाज से पूर्ण यश तथा सम्मान अर्जित करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

तृतीय मास
17/08/2026 16:04:06 से 17/09/2026 02:35:09 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही प्रसन्नता प्रदान करने वाला तथा भाग्यशाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी एवं अपने उच्चाधिकारियों को पूर्ण रूपेण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफल रहेंगी। जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। सन्तति पक्ष से इस मास आप पूर्ण सुख एवं सहयोग को प्राप्त करेंगी तथा घर में किसी प्रकार के धार्मिक उत्सव का भी आप आयोजन करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं इनकी आप हार्दिक पूजा तथा आदर करेंगी। इस मास में आप अपने सत्कार्यों से समाज में दूर दूर तक कीर्ति अर्जित करेंगी। साथ ही आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी इस समय उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त आप घर से दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगी। अपने उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सहयोग एवं सम्मान प्राप्त होगा तथा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर एवं घनिष्ठ सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप इस समय सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के मध्य आपको समय समय पर अशुभ फल की भी प्राप्ति होगी।अतः आपका स्वास्थ्य वात जन्य रोगों से अस्वस्थ रहेगा तथा इससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।अतः सावधानी से अपन कार्य कलापों को सम्पन्न करें। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आपको हानि की सम्भावना हो सकती है।

चतुर्थ मास
17/09/2026 02:35:09 से 17/10/2026 13:06:12 तक

यह मास आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में समर्थ सिद्ध होंगी। साथ ही समाजिक यश को अर्जित करने में भी आप सफल रहेंगी। बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे परस्पर पूर्ण सुख एव सहयोग का आदान प्रदान करने में सफल रहेंगी। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से आप उचित आश्रय प्राप्त करेंगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सफल बनाएंगी। इस महीने आप अधिक मात्रा में मिष्ठानादि का भी भक्षण कर सकती हैं। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से आप शान्त एवं प्रसन्न रहेंगी आप इस समय शत्रुओं का दमन करने में सफल रहेंगी तथा वे आपसे अत्यंत ही भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि अन्य कार्यों से भी आप उचित लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारी वर्ग से वांछित सहयोग एवं सहायता भी अर्जित करेंगी जिससे आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति या विस्तार हो सकता है। इस समय आप नवीन वस्तुओं या वस्त्रों की प्राप्ति भी कर सकेंगी। अतः यह मास आपके लए शुभफलदायक सिद्ध होगा।

पंचम् मास
17/10/2026 13:06:12 से 16/11/2026 23:37:15 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगी।साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त करेंगी। अपने मित्रों एवं बन्धुजनों से आपके इस मास मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग भी अर्जित करेंगी। साथ ही इनके परोपकार संबधी कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगी आपके रूके हुए कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जिससे आप हार्दिक प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि प्राप्त करेंगी। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगी एवं बन्धु वर्ग से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में पति से आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा तथा आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। आप इस समय धनार्जन करने में पूर्ण रूप से सफल रहेंगी तथा श्रद्धा पूर्वक धर्म का पालन करेंगी। इस प्रकार समाज में आपकी यश तथा प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

षष्ठ मास
16/11/2026 23:37:15 से 17/12/2026 10:08:18 तक

इस महीने में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगी तथापि न्यूनाधिक अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में समर्थ रहेंगी। साथ ही समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस समय दूसरे लोगों की भलाई के कार्यो को करने में भी आप तत्पर रहेंगी परन्तु शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगी एवं अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सफल बनाने में समर्थ रहेगी। आपके मित्रों तथा बन्धुजनों से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आप यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी।अतः आप गर्मी या पित्त दोष के द्वारा शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

सप्तम् मास
17/12/2026 10:08:18 से 16/01/2027 20:39:21 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आप किसी सम्मानित पद को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा सरकार या अधिकारी वर्ग से भी लाभ एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकांश भाग्योदय सम्बन्धी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा दूर समीप की लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस प्रकार इस समय आपकी सर्वत्र यश तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी एवं उनमें लाभ अर्जित करके सुखानुभूति प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी असीम श्रद्धा रहेगी। इस प्रकार इस महीने को आप अत्यंत ही सुख एवं आनंदपूर्वक व्यतीत करेंगी।

अष्टम् मास
16/01/2027 20:39:21 से 16/02/2027 07:10:24 तक

इस मास में आप अपने उत्साह से प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करने में सफल रहेंगी। सामाजिक जनों के मध्य इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। साथ ही पारिवारिक लोगों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे उचित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा।उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करेंगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होते रहेंगे। इस समय आपकी मिष्ठान्न भक्षण में भी अधिक रूचि रहेगी। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। इस मास में शत्रुपक्ष आपसे पराजित, भयभीत तथा चिन्तित रहेगा तथा व्यापार एवं अन्य कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल सिद्ध होंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन भी सुखी तथा शान्त रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र का पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आप नवीन वस्त्रों की प्राप्ति या स्वर्णादि के आभूषणों को भी अर्जित करने में सफल हो सकती हैं। अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं कल्याणकारी रहेगा।

नवम् मास
16/02/2027 07:10:24 से 18/03/2027 17:41:27 तक

इस महीने में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। अतः शत्रु पक्ष से आप दुःखी रहेंगी एवं उनसे चिन्तित तथा भयभीत भी रहेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे धनाभाव से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में इस समय कई प्रकार से बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा कार्यो में सफलता अल्प मात्रा में ही मिलेगी। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्यतया उपेक्षा का ही भाव विद्यमान रहेगा। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आप दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में आप परिश्रमपूर्वक सफलता प्राप्त करेंगी तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त एवं असन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आपको शुभ फल भी अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपको पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा एवं बुद्धिबल से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगी।

दशम् मास
18/03/2027 17:41:27 से 18/04/2027 04:12:30 तक

इस महीने में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी अल्प मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धन अर्जित करने में सफल रहेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होगी ।साथ ही आपको समाज से भी पूरा यश तथा सम्मान प्राप्त होगा। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे उचित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय भी मिलेगा जिससे आप उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। मिष्ठान के प्रति आप विशेष रूचिशील रहेंगी तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी। इस समय शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगी तथा वे आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि अन्य कार्यों के द्वारा भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के मध्य यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से अस्वस्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आप किंचित हानि प्राप्त कर सकेंगी। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए ।

एकादश मास
18/04/2027 04:12:30 से 18/05/2027 14:43:33 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय शत्रु वर्ग से आप चिन्तित रहेंगी एवं आपके लिए वे अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। साथ ही इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। इस समय आपका धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में अल्प श्रद्धा का भाव रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान कम ही करेंगी। शरीर से भी आप अस्वस्थ रहेंगी तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति कर सकती हैं फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न हो सकती है। इस समय आप पारिवारिक कार्यो को पूर्ण करने में भी असफल रहेंगी तथा मुकद्दमे आदि में धन का व्यय होगा। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपनी बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करके प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। अतः आप अल्प मात्रा में ही सुखों का उपभोग करेंगी तथा प्रसन्न रहेंगी।

द्वादश मास
18/05/2027 14:43:33 से 18/06/2027 01:14:36 तक

इस मास में आप सुख तथा शान्ति प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता तथा सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा आपके शत्रु आपसे पराजित, चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। साथ ही आपके आय स्त्रोंतो में भी वृद्धि होगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में आप सफलता प्राप्त करेंगी। फलतः इस समय आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोंतो से भी आप लाभार्जित करने में सफल रहेंगी। आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी मास में सम्पन्न होंगे तथा विलम्बित महत्वपूर्ण कार्यो में भी सफलता मिलेगी। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। अपने सांसारिक कार्यो को भी आप सफल बनाने में समर्थ रहेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको वांछित सहयोग तथा सम्मान प्रदान करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों को प्राप्त करने में भी सफल हो सकती है। इस प्रकार आप सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगी।